>

Title: Need to conserve and preserve the Swarngiri fort in Jalore district, Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर) : जालोर का स्वर्णगिरि दुर्ग एक हजार साल का ऐतिहासिक वैभव समेटे हुए है। इस दुर्ग से स्थापत्य कला का सौंदर्य झलकता है लेकिन संरक्षण के नाम पर की जा रही औपचारिकता और पुरातत्व विभाग द्वारा पर्याप्त देखभाल न होने के कारण यह ऐतिहासिक धरोहर खत्म हो रही है। आश्चर्यजनक यह है कि पहाड़ के ऊपर बने इस दुर्ग की प्रसिद्धि होने के बावजूद इसे देखने वाला कोई नहीं है। कभी दुश्मनों की बड़ी–बड़ी तोपें भी इसकी दीवार भेदने में नाकाम हो गई थी और आज यहां की दीवारें अपने आप गिरती जा रही हैं। सर्वविदित अलाउद्दीन खिलजी की सेना को इस दुर्ग को फतह करने में लम्बा इंतजार करना पड़ा था। आज वही दुर्ग वीरानी में अपने अतीत के आंसू बहा रहा है। वर्तमान में इस दुर्ग को उसका वैभव पुनः लौटाने की आवश्यकता है। पुरातत्व विभाग ने दुर्ग को संरक्षित इमारत घोषित कर भले ही सूचना पट्ट लगा दिए, लेकिन दुर्ग की बदहाल स्थिति को देखकर ऐसा लगता है कि इसके संरक्षण में विभाग की कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं सरकार का इस ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं जिससे दुर्ग का सौन्दर्य पुनः लौट सके।